गणेशदत्त महाविद्यालय

बेगूसराय (बिहार)

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की अंगीभूत इकाई)

निर्देशिका

शुचि स्वागत

बेगूसराय के गौरव गणेशदत्त महाविद्यालय में आपका स्वागत है। उद्योगों की गंगा और कृषि की यमुना के बीच अवस्थित यह महाविद्यालय आधुनिक युग का तीर्थराज प्रयाग है। बिहार की एकमात्र औद्योगिक नगरी के पार्श्व में अवस्थित गणेशदत्त महाविद्यालय 1945 ई० से अद्यतन शैक्षणिक जगत में अपनी गौरवमयी परम्परा का निर्वहन करते हुए शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास एवं प्रसार में अविस्मरणीय योगदान देता रहा है। पटना विश्वविद्यालय से संबंधन प्राप्त कर बिहार विश्वविद्यालय और भागलपुर विश्वविद्यालय में अपनी प्रभावकारी उपस्थिति दर्ज कराते हुए आज यह महाविद्यालय ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की एक मानक इकाई है।

हमें अपनी परम्परागत शिक्षा को सशक्त बनाने के साथ-साथ, नये व्यावहारिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अपनाते हुए नई प्रौद्योगिकी की दिशा में पहल करनी होगी, तभी वर्त्तमान शिक्षा का मूल भाव फलित हो सकेगा। यह महाविद्यालय इस दिशा में प्रयत्नशील है।

गणेशदत्त महाविद्यालय अपनी परम्परा को अक्षुण्ण एवं संचित रखते हुए, नये युग में प्रवेश कर, शैक्षणिक व्यवस्था की कठोर प्रतिस्पर्धा के लिए पूर्ण तैयार है। इन्डस्ट्रीयल माईक्रो-बॉयोलॉजी एवं इग्नू के अध्ययन केन्द्र की स्थापना हमारी अद्यतन उपलब्धियाँ हैं। हम आज के मापदंड पर खड़ा उतरना चाहते हैं - बिहार से छात्रों के पलायन को रोकना चाहते हैं। छात्र-छात्राओं की होंठों से हँसी और आँखों से सपने गायब है। महाविद्यालयों में मरघटी सन्नाटा है। हँसी और स्वप्न की वापसी कर मरघटी सन्नाटा को तोड़ना हमारी प्राथमिकता है।

शिक्षा, संस्कृति के गर्भ में पल्लवित एवं पुष्पित होती है। अतएव सांस्कृतिक गतिविधियों को विकसित करना भी हमारा लक्ष्य है। विगत वर्षों में खेल-कूद एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों में, हमने कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोये रखने के लिए हमने संग्रहालय के विकास को प्राथमिकता दी है। प्राचीन स्थलों का पुरातात्त्विक उत्खनन एवं सर्वेक्षण हमारी प्रगति के सूचक हैं।

अनुशासन को बनाये रखना हमारी प्रतिबद्धता है। शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों के पारस्परिक सहयोग से हम शैक्षणिक जगत में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर सकेंगे, यह हमारा विश्वास है। छात्र एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें शिक्षा के प्रति अभिरूचि तथा पठन-पाठन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो, यही हमारा लक्ष्य है।

अन्त में महाविद्यालय के संस्थापक स्व0 विश्वनाथ सिंह शर्मा को मेरा शत-शत नमन्! छात्र एवं छात्राओं को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए अनन्त शुभकामनाएँ।

प्रो0 (डॉ०) चन्द्रभानु प्रसाद सिंह

प्रधानाचार्य

गणेशदत्त महाविद्यालय, बेगूसराय
संक्षिप्त परिचय

गणेशदत्त महाविद्यालय की स्थापना 1945 ई० में हुई। बिहार के शिक्षा जगत के दानवीर कर्ण सर गणेशदत्त के नाम पर स्थापित इस महाविद्यालय की गणना बिहार के प्रमुख प्रतिष्ठापित महाविद्यालयों में की जाती है। सर गणेशदत्त की स्मृति में स्थापित यह महाविद्यालय स्व० राम चरित्र सिंह, भूतपूर्व सिंचाई एवं विद्युत मंत्री, बिहार सरकार तथा स्व० विश्वनाथ सिंह शर्मा के प्रयास एवं निर्देशन में उत्तरोत्तर विकासोन्मुख रहा। स्व० सत्यनारायण सिंह, मंझौल का आर्थिक योगदान भी उल्लेखनीय है।

गणेशदत्त महाविद्यालय अपने स्थापना काल 1945 ई० से 1 जनवरी 1952 ई० तक पटना विश्वविद्यालय, पटना, 2 जनवरी 1952 से 1959 ई० तक बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, 1960 से 1974 तक भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर तथा 1975 से अद्यतन ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के अंतर्गत अपनी गरिमामयी परम्परा का निर्वहन करता रहा है।

प्रत्येक वर्ष 13 जनवरी को हर्षोल्लास से सर गणेशदत्त जयंती वार्षिकोत्सव के रूप में मनायी जाती है। इस महाविद्यालय को 1970 ई० में बिहार सरकार द्वारा अंगीभूत संस्था की मान्यता मिली। यह संस्था ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली से यह महाविद्यालय पंजीकृत है। बेगूसराय जिले के केन्द्र में स्थापित यह भव्य महाविद्यालय औद्योगिक क्षेत्र, बरौनी तथा विस्तृत कृषि क्षेत्र में अपनी शैक्षणिक गरिमा एवं अनुशासन के लिए प्रसिद्ध है। महाविद्यालय का इतिहास छ: दशकों से अधिक के कीर्तिमान एवं उपलब्धियों से ओत-प्रोत है। इसका अतीत जितना गौरवमय है, वर्त्तमान उतना ही आशाजनक और भविष्य संभावनाओं से परिपूर्ण है। इस कड़ी में 1946 ई० में स्थापित काशी प्रसाद जायसवाल संग्रहालय ऐतिहासिक तथा पुरातात्त्विक महत्व का है। प्रो० राधाकृष्ण चौधरी मेमोरियल हॉल में स्थापित संग्रहालय सांस्कृतिक विरासत के रूप में चेतना का प्रतीक है।

संरचना

25 एकड़ क्षेत्र में विस्तृत भव्य महाविद्यालय परिसर अत्यन्त स्वच्छ एवं पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त अनुकूल है। इस परिसर में अनेक भवन एवं मैदान हैं तथा शैक्षणिक केन्द्र के अनुरूप सभी प्रकार की सुविधाएँ हैं।

रामचरित्र सिंह विज्ञान भवन

यह अत्यन्त आकर्षक दो मंजिला भवन है। यह 15975 वर्ग फीट में फैला है और इसमें दो दीर्घाएं - भौतिकी एवं रसायन दीर्घाएँ हैं। इसके अतिरिक्त विज्ञान विषयों के चार बड़ी प्रयोगशालाएँ आवश्यक उपकरणों एवं छात्रों की अन्य सुविधाओं से परिपूर्ण है।

रामपदारथ देवी कला भवन

दो मंजिल एवं आकर्षक स्थापत्य से युक्त यह भवन शैक्षणिक दृष्टि से प्रभावकारी है। इसमें तीन विशाल हॉल एवं छः अध्ययन कक्ष हैं। यह 7808 वर्ग फीट में बना है।

सच्चिदानन्द भवन

महाविद्यालय की पूर्वी-दक्षिणी दिशा में निर्मित यह भवन 18585 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला है। इसमें छात्रों के अध्ययन के लिए दो बड़े एवं 7 छोटे हॉल हैं।

खूबलाल सिंह भवन

यह दो मंजिली इमारत है। इस भवन में मनोविज्ञान, भूगोल एवं इन्डस्ट्रीयल माईक्रोबॉयोलॉजी विभाग अवस्थित हैं।

सत्य नारायण भवन

यह भवन महाविद्यालय की उत्तरी दिशा में महाविद्यालय के भव्य तोरण द्वार से सटे है। इस भवन में कला के विभिन्न विषयों के अलग-अलग विभाग एवं शिक्षक प्रकोष्ठ हैं। वाणिज्य संकाय इसी भवन में है।

खूबलाल सिंह पुस्तकालय

नव निर्मित खूबलाल सिंह पुस्तकालय भवन 6460 वर्ग फीट में फैला हुआ है। वाचनालय एवं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं से सुसज्जित यह विशाल भवन छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञानवर्द्धन का एक अनुपम केन्द्र है।

क्रीड़ा भवन (सामान्य सदन)

महाविद्यालय का यह एक पृथक भवन है, जिसमें एथेलेटिक्स एवं विभिन्न खेलों की समुचित व्यवस्था है। साथ ही महाविद्यालय का अपना एक विशाल खेल-मैदान है, जो 60,000 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में फैला है।

महाविद्यालय के अन्तर्गत **प्रशासनिक भवन, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यालय भवन, छात्रा - मनोरंजन कक्ष, राधाकृष्ण हॉल (संग्रहालय)** आदि भवन अवस्थित हैं।

श्री कृष्ण उद्यान एवं रामचरित्र उद्यान

मुख्य द्वार के दोनों तरफ दो बड़े उद्यान हैं, जो महाविद्यालय के पर्यावरण को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सौंदर्यमय बनाते हैं।

प्रजातंत्र स्मारक स्तम्भ

ग्रेनाईड से निर्मित यह स्तम्भ महाविद्यालय के अतीत एवं हमारी स्वतंत्रता के इतिहास का साक्षी है। दिनांक 26 जनवरी, 1950 ई० के दिन बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बिहार केशरी स्व० डा० श्री कृष्ण सिंह के द्वारा इसका शिलान्यास हुआ।

सुविधाएँ

बैंक : मुख्य तोरणद्वार से पश्चिम बैंक ऑफ बड़ौदा अवस्थित है जिससे शिक्षक, कर्मचारी, छात्र एवं अभिभावक लाभान्वित होते हैं।

डाकघर : मुख्य प्रवेश द्वार की पूर्व दिशा में डाकघर की एक शाखा है जिससे विभिन्न पत्राचार एवं जमा योजनाओं का लाभ महाविद्यालय से सम्बद्ध व्यक्तियों को प्राप्त होता है।

अतिथि गृह : महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन की ऊपरी मंजिल पर सभी सुविधाओं से परिपूर्ण अतिथि गृह अवस्थित है।

चिकित्सा सुविधा: कॉलेज की ओर से विद्यार्थियों की चिकित्सा के लिए चिकित्सक डॉ० अरूण कुमार नियुक्त हैं जिनसे कोई भी निःशुल्क सलाह ले सकता है। कॉलेज छात्रावास के लिए भी चिकित्सक नियुक्त हैं।

कम्प्यूटर नेटवर्क : महाविद्यालय कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट की सुविधा से सम्पन्न है।

स्नातकोत्तर विभाग

(क) राज्य सरकार के ज्ञापांक 712 दिनांक 18.5.1983 द्वारा इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान एवं अंग्रेजी में स्नातकोत्तर वर्गों की पढ़ाई वित्त सहित तथा राज्य सरकार के ज्ञापांक 899 दिनांक 3.9.1987 द्वारा इस कॉलेज को रसायन शास्त्र, भौतिकी, गणित, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, वाणिज्य, हिन्दी, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, प्राचीन इतिहास एवं उर्दू में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की स्वीकृति प्राप्त है।

(ग) राज्य सरकार के पत्रांक 31838-40 दिनांक 13.12.1979 द्वारा यहाँ भूगोल एवं समाजशास्त्र में इन्टर स्तर की पढ़ाई की स्वीकृति प्राप्त हुई एवं विश्वविद्यालय की सहमति से इन दोनों विषयों में ऑनर्स स्तर की पढ़ाई की जा रही है।

प्रवेश की शर्त्तें एवं निर्देशन

(सभी छात्र-छात्राओं के लिए)

- परीक्षाफल प्रकाशन के उपरांत विज्ञप्ति तिथि के अनुसार कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ होता है।
- आवेदन पत्र एवं निर्देशिका कॉलेज कार्यालय से निर्धारित शुल्क 25/- रुपये जमा कर अथवा डाक से 50/- रुपये भेजकर प्राप्त की जा सकती है।
- अंकों के आधार पर चयनित छात्रों की सूची महाविद्यालय सूचना पट पर यथा समय प्रकाशित कर दी जाती है।
- प्रवेशार्थियों को निर्धारित तिथि के अंदर प्रवेश ले लेना होगा। प्रवेशार्थियों को आवेदन पत्र के साथ अंक-पत्र की दो छाया प्रति जमा करनी होगी।
- अन्तर स्नातक विज्ञान संकाय के प्रवेशार्थी को गणित एवं जीव विज्ञान के लिए अलग-अलग आवेदन देना होगा। गणित समूह में नामांकन के लिए उच्च गणित आवश्यक है।
- प्रत्येक वर्ग में 50 प्रतिशत स्थान सामान्य कोटि तथा 50 प्रतिशत निर्धारित सुरक्षित कोटि के आवेदकों द्वारा भरे जाएंगे। नामांकन में सरकारी आरक्षण नियमों का पालन किया जाता है।
- पाल्य दावा स्थान के लिए चयन, स्थान एवं योग्यता के आधार पर किया जाएगा।
- अच्छे खिलाड़ियों, एन०सी०सी० कैडेटों, संगीत के ज्ञाता तथा समाजसेवा में रूचि रखने वाले छात्रों को नामांकन में विशेष सुविधा दी जाएगी।
- परीक्षा प्रपत्र पंजीकृत छात्रों के ही स्वीकार्य होंगे। अतः नामांकन के समय ही पंजीयन प्रपत्र भी अवश्य भर कर संलग्न करें।
- पंजीयन एवं परीक्षा प्रपत्र नहीं भरने पर क्षति का दायित्व छात्र पर होगा।
- गलत प्रमाण-पत्र जमा करने या तथ्यों को छुपाने पर जाँचोपरान्त प्रवेश रद्द माना जाएगा और विहित कार्रवाई होगी।

नामांकन के समय वांछित प्रमाण-पत्र

1. (क) विगत संस्था छोड़ने का प्रमाण पत्र (School/College Leaving Certificate)
   (ख) प्रव्रजन प्रमाण-पत्र (Migration Certificate) की मूल प्रति।
   (बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से उत्तीर्ण छात्रों के अतिरिक्त)
   (ग) नामांकन के समय सूचीकरण प्रपत्र जमा करना अनिवार्य है।
2. अंक पत्र की मूल प्रति एवं दो छाया प्रति, मूल प्रति जांच के बाद लौटा दी जायेगी।
3. प्रवेश पत्र (Admit Card) की मूल प्रति तथा दो छाया प्रति। प्रवेश पत्र की मूल प्रति जांच के बाद लौटा दी जायेगी।

4. पासपोर्ट आकार के दो फोटो जिन पर प्रवेशार्थी का नाम अंकित होगा।
5. आरक्षित सीट के लिए जाति प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित छाया प्रति आवेदन के साथ संलग्न करना आवश्यक है अन्यथा आरक्षित सीट का दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।
6. प्रवेश के समय जाति प्रमाण पत्र का मूल एवं छाया प्रति देना होगा, जिसे वापस नहीं किया जायेगा।
7. आरक्षित श्रेणी के दावेदारों को सालाना आय प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

अन्तर स्नातक विभाग
(INTERMEDIATE SECTION)

- प्रत्येक छात्र/छात्र के लिए निम्नांकित भाषा एवं साहित्य में से किसी एक का चयन करना अनिवार्य है।

1. (क) हिन्दी पूर्णांक 100
   (ख) अंग्रेजी पूर्णांक 100
   (ग) उर्दू पूर्णांक 100
   (घ) संस्कृत पूर्णांक 100

   अनिवार्य विषय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य सभी के लिए एक है।
2. (क) हिन्दी सभी छात्रों के लिए पूर्णांक 50
   (ख) उर्दू अथवा अंग्रेजी पूर्णांक 50

कला

उपर्युक्त अनिवार्य दो भाषा एवं साहित्य के अतिरिक्त निम्नांकित सात विषयों में से किसी तीन विषयों का चयन करना अनिवार्य है।

विषय समूह :
इतिहास, राजनीतिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र

विज्ञान

अनिवार्य दो भाषा विषयों के अतिरिक्त विज्ञान के छात्र एवं छात्राओं को निम्नांकित विषय रखने होंगे।
प्रत्येक विषय 100 अंकों का होगा।
1. भौतिकी
2. रसायन
3. गणित अथवा जीव विज्ञान

नोट : गणित तथा जीव विज्ञान हेतु अलग-अलग आवेदन दें।

वाणिज्य

अनिवार्य दो भाषा विषयों के अतिरिक्त वाणिज्य के छात्र एवं छात्राओं को निम्नांकित विषय रखने होंगे। प्रत्येक विषय 100 अंकों का होगा।

1. वित्तीय लेखांकन (Financial Accounting) (FAC) 100
2. व्यवसायिक अध्ययन (Business Studies) (BST) 100
3. प्रारंभिक अर्थशास्त्र (Element. Business Economics) (EBE) 100

त्रिवर्षीय स्नातक समेकित पाठ्यक्रम

(THREE YEARS INTEGRATED DEGREE COURSE)

त्रिवर्षीय स्नातक कला/विज्ञान/वाणिज्य (B.A/B.Sc./B.Com.) प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ष के अन्त में खण्ड-I, खण्ड-II, खण्ड-III की विश्वविद्यालय परीक्षाएँ होगी।
प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम (सामान्य पाठ्यक्रम (Passcourse) की व्यवस्था नही है)

स्नातक - कला/विज्ञान/वाणिज्य

खण्ड-I प्रतिष्ठा पत्र - 2 (100 X 2)
अनुषांगिक पत्र - 2 (100 X 2)
राष्ट्रभाषा हिन्दी / अहिन्दी - 100
(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी - 100 अंक
(ख) अहिन्दी-मातृभाषा - 50, हिन्दी- 50 कुल-500

खण्ड-II प्रतिष्ठा पत्र - 2 (100 X 2)
आनुषंगिक पत्र - 2 (100 X 2)
राष्ट्रभाषा हिन्दी - 100 अंक
(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी - 100 अंक
(ख) अहिन्दी-मातृभाषा - 50, हिन्दी- 50 कुल-500

खण्ड-III प्रतिष्ठा पत्र - 4 (100 X 4)
सामान्य अध्ययन - 100 अंक कुल-500

तृतीय खंड में नामांकन हेतु प्रथम खण्ड के सभी विषयों में उत्तीर्ण तथा खण्ड द्वितीय में प्रोन्नत /पास होना आवश्यक है।

इस प्रकार स्नातक तीन खंडों में कुल 1500 अंकों की (प्रायोगिक सहित) परीक्षाएँ होंगी।

कला समूह

कला समूह में निम्नलिखित विषयों में प्रतिष्ठा की पढ़ाई की व्यवस्था है:

1. हिन्दी 2. अंग्रेजी 3. उर्दू 4. दर्शन शास्त्र 5. सस्कृत 6. प्रा० भा० इतिहास एवं संस्कृति 7. इतिहास 8. अर्थशास्त्र 9. मनोविज्ञान 10. राजनीति विज्ञान 11. गणित 12. भूगोल . 13. समाज शास्त्र

नोट : (क) छात्र-छात्राएँ उपर्युक्त विषयों में से एक विषय को प्रतिष्ठा के रूप में रख सकते हैं तथा बाकी दो विषयों को आनुषंगिक (Subsidiary) विषयों के रूप में रखना होगा। जो छात्र किसी भाषा विषय में प्रतिष्ठा रखना चाहेंगे, उन्हें भाषा के किसी विषय को आनुषंगिक विषय के रूप में रखने की अनुमति नहीं है।

(ख) जो छात्र जिस विषय में प्रतिष्ठा रखना चाहते हैं, उन्हें उस विषय में अन्तर स्नातक स्तर पर (90 अंक दोनों पत्र मिलाकर) 45 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

(ग) विज्ञान एवं वाणिज्य से कला संकाय में प्रतिष्ठा का विषय लेने के लिए निम्नतम 45 प्रतिशत अंक अन्तर स्नातक में होना अनिवार्य है। तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाले छात्रों का संकाय परिवर्तन नहीं होगा। विज्ञान एवं कला से वाणिज्य में प्रतिष्ठा का विषय लेने के लिए निम्नतम 50 प्रतिशत अंक अन्तर स्नातक में होना आवश्यक है।

(घ) इतिहास विषय से उत्तीर्ण छात्र प्रा०भा० इतिहास एवं संस्कृति प्रतिष्ठा में नामांकन करा सकते हैं।

विज्ञान समूह

विज्ञान समूह में निम्नलिखित विषयों में प्रतिष्ठा की व्यवस्था है।

1. भौतिकी 2. वनस्पति विज्ञान 3. गणित
4. रसायन शास्त्र 5. जंतु विज्ञान

नोट :

1. उपर्युक्त विषयों में से किसी एक विषय को प्रतिष्ठा और अन्य किन्हीं दो को नियमानुसार आनुषंगिक विषय (Subsidiary) के रूप में रखना होगा।

2. Bio-Group के छात्र आनुषंगिक विषय में गणित तथा भौतिकी नहीं रख सकते हैं। गणित ग्रुप के छात्र जन्तु विज्ञान एवं वनस्पति शास्त्र नहीं रख सकते हैं।

3. Industrial Micro-Biology - वैसे विद्यार्थी जो I.Sc. परीक्षा Biology के साथ पास हैं, इस विषय में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के लिए अलग से निर्देशिका प्राप्त करें। यह विशुद्ध रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रम है।

वाणिज्य समूह

B. Com. (Honours) Accounting & Finance

Part I (1st Year)

Honours Papers/Course

1. Paper-I : Financial & Corporate Accounting
   Paper-II : Auditing

Subsidiary Papers/Course

2. Paper-I : Principles of Business Management
   Paper-II : Business Economics, 3.R.B/N.R.B+ M.B

B.Com. (Honours) MARKETING

Part I (1st Year)

Honours Papers/Course

1. Paper-I : Financial & Corporate Accounting
   Paper-II : Principles of Marketing

Subsidiary Papers/Course

2. Paper-I : Principles of Business Management
   Paper-II : Business Economics, 3.R.B/N.R.B+ M.B

Part II (2nd Year)

B.Com. (Honours) Accounting & Finance

1. Paper-III : Business Regulatory Frame Work
   Paper-IV : Security Analysis & Portfolio Management

Subsidiary Papers

2. Paper-III : Indian Economy
   Paper-IV : Monetary and Financial System, 3.R.B/N.R.B+ M.B

Part II (2nd Year)

B.Com. (Honours) MARKETING

1. Paper-III : Business Regulatory Frame Work
   Paper-IV : International Marketing

Subsidiary Papers/Course

2. Paper-III : Indian Economy
   Paper-IV : Monetary and Financial System

Part III (3rd Year)

B.Com. (Honours) Accounting & Finance

Paper-V : Financial Management
Paper-VI : Cost and Management Accounting
Paper-VII : Income Tax
Paper-VIII : Business Statistics
Paper-IX : General and Environmenttal Studies

B.Com. (Honours) MARKETING

Paper-V : Advertising and Sales Promotion
Paper-VI : Rural Marketing
Paper-VII : Services Marketing
Paper-VIII : Business Statistics
Paper-IX : General and Environmenttal Studies

प्रवेश शुल्क

अन्तर स्नातक/ स्नातक (त्रिवर्षीय)

प्रवेश शुल्क एक माह के शिक्षण शुल्क के बराबर होता है।

मासिक अध्ययन शुल्क (Tuition Fees)

अन्तर स्नातक :	रु. पै.
(क) कला	9.00
(ख) वाणिज्य	9.00
(ग) विज्ञान	10.00
स्नातक (त्रिवर्षीय) :	
(क) कला प्रतिष्ठा	11.00
(ख) वाणिज्य प्रतिष्ठा	11.00
(ग) विज्ञान प्रतिष्ठा	12.00

वार्षिक विविध शुल्क

(ANNUAL MISCELLANEOUS CHARGES)

1. क्रीड़ा (Athletics)	25.00
2. सामान्य सदन (Common Room)	10.00
3. स्वास्थ्य (Medical)	01.00
4. कॉलेज पत्रिका (College Magazine)	12.00
5. निर्धन छात्र कोष (Poor Boys Fund)	02.00
6. कॉलेज परीक्षाएं (College Exam.)	6.00
7. उद्यान (Garden)	3.00
8. बिजली (Electricity)	3.00
9. परिषद् (Society)	5.00
10. विकास कोष (Dev. Fund)	50.00
11. पुस्तकालय अध्ययन कक्ष (Lib. Reading Room)	2.00
12. उपस्कर (Furniture Fee)	7.00
13. महाविद्यालय दिवस/सर गणेशदत्त जयंती (College Day / Sir Ganesh Dutta Jayanti)	10.00
14. संस्थापक सचिव विश्वनाथ सिंह शर्मा जयंती	05.00
15. परिसर/सुरक्षा चार्ज (Campus Maint./Safety)	15.00
16. साइकिल स्टेंड (Cycle Stand)	2.00
17. तरंग	5.00
18. एकलव्य	5.00
Total	**168.00**

अन्य शुल्क

अन्तर स्नातक :

1. आव्रजन शुल्क (Immigration Fee)	100.00
2. विलम्ब आव्रजन शुल्क (Late Immigration Fee)	100.00
3. नामांकन के समय (by the order of Intermediate Council) Ath.	20.00
4. परीक्षा फार्म के समय (by the order of intermediate Council) Ath	20.00

स्नातक :

1. विश्वविद्यालय पंजीयन शुल्क खर्च के साथ (दिसम्बर तक)	110.00
1 जनवरी से मार्च तक वि०वि० पंजीयन विलम्ब शुल्क प्रति माह	10.00
2. प्रव्रजन (Migration)	80.00
3. University mirror	2.00

अन्तर स्नातक/स्नातक :

1. राष्ट्रीय सैन्य दल (NCC)	2.00
2. सुरक्षित जमा राशि (Coution Money) वापसी योग्य	25.00
(भुगोल के छात्र स्वेच्छा से राशि विकास के लिए छोड़ सकते हैं)	
3. मनोविज्ञान	2.00
4. परिचय पत्र (Identity Card)	5.00
5. राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) केवल स्नातक छात्रों के लिए	10.00
6. सांस्कृतिक कार्यक्रम	7.00
7. काशी प्रसाद जायसवाल पुरातात्त्विक संग्रहालय	
(सिर्फ प्राचीन इतिहास के छात्रों के लिए)	
प्राचीन इतिहास प्रतिष्ठा छात्रों के लिए	10.00
प्राचीन इतिहास अनुषांगिक छात्रों के लिए	5.00
8. नवीन पाठ्यक्रमानुसार XI वीं की परीक्षा का शुल्क	100.00

संकाय परिवर्तन

नामांकन के बाद संकाय परिवर्तन नही होगा।

विषय परिवर्तन

विषय में परिवर्तन हेतु सत्रारंभ से एक माह के अन्दर आवेदन करें।

नि:शुल्कता

नि:शुल्कता हेतु आवेदन नामांकन के तीन महीने उपरांत आमंत्रित किये जायेंगे।

उपस्थिति

छात्रों के लिए 75% प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, अन्यथा वार्षिक परीक्षा प्रपत्र भरने से वंचित रह जायेंगे।

जाँच परीक्षा

उत्प्रेषण से पूर्व जांच-परीक्षा (Test Examination) आयोजित की जायेगी जिसमें सम्मिलित होना आवश्यक है।

अन्य निर्देश

1. कॉलेज छोड़ने के इच्छुक छात्र-छात्राओं को अभिभावक द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन पत्र प्रधानाचार्य के पास कम-से-कम सात दिन पूर्व देना होगा। तभी उन्हें महाविद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र समय पर प्रदान किया जा सकेगा। टी०सी०/सी०एल०सी० चार्ज एक महीने के मासिक शुल्क के बराबर होगा।
2. जो गैर नियमित छात्र महाविद्यालय से आचरण प्रमाण पत्र, अंक पत्र की प्रतिलिपि या अन्य किसी प्रकार का प्रमाण पत्र लेना चाहेंगे, उन्हें तीन दिन पूर्व आवेदन करना होगा। गैर नियमित छात्रों से उन छात्रों का अभिप्राय है जिन्होंने C.L.C. नहीं ली हो और पूर्ववर्ती छात्र नहीं हों। अभिप्रमाणित कराने के लिए निर्धारित शिक्षकों से सम्पर्क करना होगा।
3. कॉलेज परिसर में छात्र/छात्राओं को अपने पास परिचय-पत्र (Idendtity Card) रखना अनिवार्य है। कार्यालय से किसी भी प्रकार का प्रमाण पत्र लेते समय परिचय पत्र दिखलाना अनिवार्य है। प्रवेश के समय परिचय पत्र प्राप्त कर लें।
4. द्वितीय परिचय पत्र (Duplicate Identity Card) मात्र असाधारण परिस्थिति में ही दी जायेगी, जिसके लिए छात्रों को 10/- रुपये शुल्क तथा 5/- रुपये लागत शुल्क कुल खर्च 15/- रुपये जमा करना होगा ।
5. एस०एल०सी०/सी०एल०सी० की मूल प्रति नामांकन के तुरन्त बाद रद्द कर दी जायेगी। उनकी

प्रतिलिपि देना संभव नहीं होगा। अत: छात्र अपने पास एस०एल०सी०/सी०एल०सी० की फोटोकॉपी रख लें।

6. प्रवेश आवेदन पत्र पर छात्र के पिता अथवा स्वाभाविक अभिभावक के हस्ताक्षर अनिवार्य हैं। अनुशासन भंग करनेवाले छात्र को दण्डित किये जाने पर उनके पिता या अभिभावक को ही उनकी जिम्मेदारी लेनी होगी।
7. कॉलेज प्रांगण में साईकिल, मोटरसाईकिल अथवा स्कूटर पर चलकर वर्ग में जाना या लौटना अथवा इधर-उधर घूमना वर्जित है।
8. कक्षा के बरामदे पर वर्ग चलते समय खड़ा रहना अथवा किसी प्रकार की अव्यवस्था पैदा करना अनुशासन भंग करना समझा जायेगा और इसके लिये उन्हें दण्डित किया जायेगा।

खूबलाल सिंह पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में निम्नलिखित सुविधायें हैं :-

1. पुस्तकालय अधिकोष (Book Bank)
2. अध्ययन कक्ष (Reading Hall)
3. पत्रिकाएं (Journals)

प्रत्येक छात्र को परिचय पत्र प्रस्तुत कर पुस्तकालय में पुस्तकालय कार्ड बनवाना होगा तभी पुस्तकालय का उपयोग कर सकेंगे।

पुस्तकालय से पुस्तकें या पत्रिकाएं लेते समय निम्नलिखित नियमों का पालन करना आवश्यक है:-

(क) प्रतिष्ठा एवं स्नातकोत्तर वर्ग के छात्र एक बार में अधिक से अधिक तीन और इन्टर (अन्तर स्नातक) के छात्र एक बार मे एक ही पुस्तक पुस्तकालय से प्राप्त कर सकते हैं।

(ख) छात्र-छात्राओं को अधिक-से-अधिक पन्द्रह दिनों के लिए पुस्तक दी जायेगी। जो छात्र पन्द्रह दिनों के बाद लौटायेंगे, उन्हें पच्चीस पैसे प्रतिदिन की दर से तीन दिनों तक और उसके बाद पचास पैसे प्रतिदिन की दर से दण्ड देना होगा।

(ग) छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय कार्ड एवं परिचय पत्र (Identity Card) उपस्थित करने पर ही पुस्तक दी जाएगी। पुस्तकालय से पुस्तक, पत्रिका या प्रश्न-पत्र लेते समय भी उन्हें परिचय-पत्र दिखाना आवश्यक है।

(घ) छात्र-छात्राएं पुस्तकालय से पुस्तक लेते समय उसे अच्छी तरह देख लें और पुस्तक फटी होने पर अविलम्ब पुस्तकालयाध्यक्ष को सूचना दें। यदि लौटाते समय पुस्तक फटी हुई पाई गई तो वे पुस्तक के पूरे मूल्य के आठ गुणा दाम के अतिरिक्त आर्थिक दण्ड के भागी होंगे।

(ङ) प्रश्न-पत्र या पत्रिकाएं छात्रों को पढ़ने के लिए दी जाती हैं। उन्हें उसी दिन लौटाना आवश्यक है। छाया प्रति शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकता है।

काशी प्रसाद जायसवाल पुरातात्त्विक संग्रहालय

काशी प्रसाद जायसवाल पुरातात्त्विक संग्रहालय की नींव 1946 ई० में गणेश दत्त महाविद्यालय के प्रख्यात इतिहासविद् स्व० (प्रो०) राधाकृष्ण चौधरी ने डाली। अंगुत्तराप नाम से प्राचीन भारत में ज्ञात बेगूसराय जिला बुद्धकाल से आज तक के क्रमिक इतिहास का साक्षी है। इस संग्रहालय में संरक्षित एवं प्रदर्शित विभिन्न कालों (मौर्य, कुषाण, गुप्त, पाल एवं मुगल) की मूर्त्तियाँ, अभिलेख, मुहर, सिक्के, मनके आदि इसके प्रमाण हैं। प्रो० राधाकृष्ण चौधरी मेमोरियल हॉल संग्रहालय में ये सभी पुरावशेष दर्शनीय हैं। संग्रहालय देखने के इच्छुक छात्र एवं छात्राएं विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग से सम्पर्क करें।

कॉलेज पत्रिका

'स्वर्णभूमि'

पाल सम्राट नारायण पाल के भागलपुर ताम्रपत्र में बेगूसराय को **''स्वर्णभूमि''** के नाम से पुकारा गया है। अतः बेगूसराय के वर्तमान, अतीत तथा उज्ज्वल भविष्य के अनुरूप गणेशदत्त महाविद्यालय द्वारा 2001 से ''स्वर्णभूमि'' नामक महाविद्यालय-पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ है।

छात्रावास

छात्रों के लिए महाविद्यालय में निम्नांकित छात्रावास हैं -

1. विश्वनाथ सिंह शर्मा (यू.जी.सी.) छात्रावास
2. कल्याण छात्रावास
3. अयोध्या प्र0 सिंह स्मारक छात्रावास (पुनर्निर्माणाधीन)

महाविद्यालय के विभिन्न क्रिया-कलाप

क्रीड़ा

महाविद्यालय का क्रीड़ा विभाग यूँ तो प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में कीर्तिमान स्थापित करता रहा है। परन्तु 2003-2004 उपलब्धियों की दृष्टि से अभूतपूर्व और स्वर्णिम सिद्ध हुआ है। इस सत्र में अन्तर महाविद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता का सफलतम आयोजन तथा चैम्पियनशिप प्राप्त कर महाविद्यालय ने इस दिशा में अपनी सक्रियता एवं खेल के प्रति अपने समर्पण का प्रमाण दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय क्रीड़ा विभाग को समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा प्रतिभागी बनने का सुअवसर प्राप्त होता रहा है। फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स एवं इन्डोर खेल आदि में यहाँ के छात्र-छात्राओं ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

जी०डी० कॉलेज के आठ पुरुष एवं ग्यारह महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने ल०ना०मि० विश्वविद्यालय, दरभंगा की टोली से अ०भा०अ०वि०वि० फुटबॉल पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता में

क्रमशः जोधपुर एवं ऐतिरूमिरेली (त.ना.) में प्रतिनिधित्व किया है। इसी महाविद्यालय की बन्दना कुमारी ने अ०भा० एथलेटिक्स प्रतियोगिता में ल०ना०मि०वि०वि० की ओर से प्रतिनिधित्व किया है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

बेगूसराय की यह स्वर्णभूमि सांस्कृतिक क्षेत्र में अत्यन्त उर्वर है। सांस्कृतिक गतिविधियाँ इसकी धरोहर हैं। महाविद्यालय इस क्षेत्र की विभिन्न विधाओं में अभिरूचि रखने वाले छात्र एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में अग्रसर है।

ल०ना० मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के सौजन्य से गणेशदत्त महाविद्यालय को अन्तर महाविद्यालय (संगीत/नृत्य/थियेटर) प्रतियोगिता -2002, 2003, 2007 एवं 2010 के आयोजन का श्रेय प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के लिये आयोजन अत्यन्त गौरवशाली एवं समृद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के परिचायक हैं। इस प्रतियोगिता में गणेशदत्त महाविद्यालय को ल. न. मिथिला विश्वविद्यालय का चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग द्वारा आयोजित पूर्व क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव- 2002 एवं 2003 में विश्वविद्यालय द्वारा इस महाविद्यालय को प्रतिनिधित्व करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। यह महाविद्यालय की एक महत्वपूर्ण एवं अविस्मरणीय उपलब्धि है। सांस्कृतिक गतिविधियाँ महाविद्यालय के नियमित क्रियाकलाप हैं।

पुरातात्त्विक उत्खनन

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली द्वारा वीरपुर उत्खनन की अनुमति महाविद्यालय स्तर पर प्रथम बार गणेशदत्त महाविद्यालय को प्राप्त हुई है। इस उत्खनन से अनेक महत्वपूर्ण एतिहासिक तथ्य उजागर होने की संभावनाएँ हैं। इस उत्खनन से प्राचीन काल में बेगूसराय के व्यापारिक एवं औद्योगिक केन्द्र होने की संभावना बलवती हुई है। यह प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

एन० सी० सी०

गणेशदत्त महाविद्यालय के एन० सी० सी० कैडेटों की सफलता एवं उनके योगदान का इतिहास अत्यन्त पुराना है। विगत तीन दशकों में यहाँ के कैडेटों ने प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। महाविद्यालय के 6/9 बटालियन के चयनित कैडेटों ने 26 जनवरी 2002, 2006, 2007, 2008 एवं 2010 को दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लेकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। महाविद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों में इनका योगदान अनुकरणीय है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन० एस० एस०)

राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयाँ क्रियाशील हैं। इसके छात्र एवं छात्राएँ स्वैच्छिक रक्त दान, साक्षरता, दहेज विरोधी अभियान, नशाबंदी, पर्यावरण सुधार, एड्स के प्रति जागरूकता तथा वृक्षारोपण जैसे अनेक

अभियानों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना में भाग लेने के इच्छुक स्नातक के छात्र/छात्राएं संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारी से सम्पर्क कर राष्ट्रीय सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान करें।

प्रगति के पथ पर

औद्योगिक सूक्ष्म-जैविकी विभाग (Industrial Micro-Biology)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली द्वारा पोषित व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत इस महाविद्यालय में औद्योगिक सूक्ष्म जैविकी विभाग की स्थापना की गई है। सूक्ष्म जीव विज्ञान एक महत्वपूर्ण विषय है। इसका अध्ययन एक ओर जहाँ पारिस्थितिकी संतुलन, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, रक्षा आदि के लिए सूक्ष्म जीवों की कार्यप्रणाली से अवगत कराता है, वहीं दूसरी ओर विभिन्न प्रतिष्ठित सार्वजनिक व निजी निकायों में अच्छे रोजगार का अवसर प्रदान करता है। इस विभाग में एक वातानुकूलित प्रयोगशाला, कल्चर एवं कम्प्यूटर कक्ष है। साथ ही दो आकर्षक एवं सुविधा सम्पन्न व्याख्यान कक्ष हैं।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र

इग्नू के अध्ययन केन्द्र (0550) की स्थापना 4 जनवरी, 2002 को हुई। इस विश्वविद्यालय में शिक्षा पद्धति परम्परागत विश्वविद्यालयों से भिन्न है। मुक्त विश्वविद्यालय की पद्धति छात्रोन्मुखी है। पठन-पाठन की प्रक्रिया में विद्यार्थी सक्रिय रूप से भागीदार होते हैं। अधिकांश शिक्षा आमने-सामने, सम्प्रेषण की बजाय दूर शिक्षा माध्यमों से दी जाती है। यहाँ स्नातक-उपाधि-कार्यक्रम तथा प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की व्यवस्था है। यहाँ सभी वर्गों के व्यक्ति नामांकन करा सकते हैं। इस हेतु समन्वयक से सम्पर्क करें। सत्र 2004 से कला संकाय के सभी विषयों में स्नातक स्तर तक नामांकन प्रारंभ है। साथ ही साथ कुछ विषयों पर स्नातकोत्तर स्तर पर भी नामांकन प्रारंभ है। विदित हो कि जी०डी० कॉलेज इग्नू केन्द्र उत्तर बिहार में सर्वाधिक छात्र संख्या एवं सर्वोत्तम परीक्षाफल के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

डॉ० आनन्द नारायण शर्मा स्मृति व्याख्यान

हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष लब्ध प्रतिष्ठ साहित्कार एवं महाविद्यालय के यशस्वी प्राध्यापक व प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ० आनन्द नारायण शर्मा के जन्म दिवस 15 अप्रैल को प्रत्येक वर्ष साहित्यिक-सांस्कृतिक विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के विद्वान का व्याख्यान होता है।

प्रो0 राधाकृष्ण चौधरी स्मृति व्याख्यान

के०पी० जायसवाल पुरातत्त्व और इतिहास परिषद् एवं संग्रहालय के तत्वावधान में आगामी वर्ष 2010 से प्रति वर्ष लब्ध प्रतिष्ठ इतिहास एवं महाविद्यालय के यशस्वी प्राध्यापक प्रो० राधाकृष्ण चौधरी के जन्म दिवस 15 फरवरी को स्मृति व्याख्यान प्रस्तावित है।